HARYANA RAJ BHAVAN

The 3rd/6th March, 1995

No. HRB-UA-16 (1) (1)-87-95/801.—In exercise of the powers conferred by Statute 14 (I) (II) (a) of Schedule to the Kurukshetra University Act, 1986, the Chancellor of Kurukshetra University is pleased to nominate the Secretary to Governor, Haryana, as a member of the Finance Committee of the said University for a period of two years with effect from 6th March, 1995.

URVASHI GULATI.

Dated, Chandigarh, the 1st March, 1995. Secretary to Governor, Haryana and to Chancellor, Kurukshetra University.

राजस्व विभागं

युंढ जागीर

दिनांक 13 फरवरी, 1995

ऋगांक 182-9-II-95/2365 — श्री जयनारायण, पूत श्री राम जीवन, निवासी गांव गोठडा टप्पा खोरी, तहसील रिवाड़ी, जिला रिवाड़ी को पूर्वी पंजाब बुढ पुरुस्कार प्रधिनियम, 1948 की श्रारा $2(\mathfrak{V})$ ($1\mathfrak{V}$) तथा $3(1\mathfrak{V})$ के श्रधीन सरकार की श्रिष्ठसूचना क्रमांक $431-\mathfrak{V}-I-81/22155$, दिनांक 17 श्रगस्त, 1981 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रिष्ठसूचना क्रमांक 1789-9-I-79/44040, दिनांक 30 शक्तूवर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. भव श्री जयन। रायण की दिनांक 5 अगस्त, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त मिद्रानियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में मपनामा गया है और उसमें झाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई मित्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री जयन। रायण की विधवा श्रीमती श्रवण के नाम रबी, 1994 से 1,000 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई मनी के मानर्गत नवदील करते हैं।

कर्माक 35-9-II-95/2369.—श्री राम किशन, पुत श्री याम्बू राम, निवासी गांव बान्ध, तहसील पानीपत, जिला करनाल (अब पानीपत) की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरूक्तार अधिनियम, 1948 की धारा 2(0) (10) तथा 3(10) के अधीन सरकार की अधिसूचना क्रमांक 9627-5-III-66/12482, दिनांक 18 जून, 1966 द्वारा 100 रुपए वार्षिक श्रीर वाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-श्रार-III-70/29505, दिनांक 8 दितम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उत्तके बाद श्रिधसूचना क्रमांक 1789-5-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बहाकर 300 रुपए वार्षिक की दर से जागीर मंजुर की गई थी ।

2. अब श्री राम किशन की दिनांक 3 जनवरी, 1988 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री राम निश्नन की विद्यवा श्रीमती भरपाई के नाम खरीफ, 1988 से 300 रुपये वार्षिक की दर से तथा रवी, 1993 से 1,0000 रुपये वार्षिक की दर से, सनद में दी गई शर्तों के श्रन्तगत तबदील करते हैं।

दिनांक 22 फरवरी, 1995

करांक 359-9-2-95/2512-8ी बुध राम, पूज श्री रणजीत, निवासी गांव नागल मुन्दी, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ अब रिवाड़ी को बुर्वी पंजाब पुद्ध पुस्स्कार अधिनियम, 1948 की श्रारा 2(v) (1v) तथा 3(1v) के अधीन सरकार की अधिसूचना कर्मांक 4446-8गर-III-70/1779, दिनांक 3 अगस्त, 1970 द्वारा 100 रुपये वार्षिक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-81v-1II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक और उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-9-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये स बढ़ाकर 300 रपये वार्षिक की वर से जागीर मंजूर की गई v? ।

2. प्रव श्री बुध राम की दिनांच 29 अन्तूबर, 1994को हुई मृत्यू के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल उपरोक्त अधिनियम (जैसा वि उसे इरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संबोधन विया गया है) की बारा 4 के अधीन प्रदान की गई शनितयों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री बुध शम की दिध्य श्रीमती महादेई के नाम खरीफ, 1995 ते 1,000 रुपये वाषिक की दर से सनद में दी गई शतों के भन्तगंठ तबदील करते हैं।